BUREAUCRATIC THEORY OF ORGANISATION

BY MAX WEBER.

जर्मन समाजशास्त्री मैक्स बेबर के साथ "ब्यूरोक्रैसी" शब्द अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। चूँकि उसने नौकरशाही को आधुनिक सभ्य समाज का लक्षण माना है। मैक्स बेबर "नौकरशाही का आदर्श" बौद्धिक पक्ष प्रस्तुत करता है।

इसे संगठन संबंधी नौकरशाही सिद्धांत कहते हैं। क्योंकि मैक्स बेबर ने नौकरशाही तथा उससे संबंधित अन्य संरचनाओं जैसे सत्ता उत्तरदायित्व, औचित्यपूर्णता, वैधानिकता, वर्ग आदि का अध्ययन नौकरशाही के संदर्भ में प्रस्तुत किया है।

18 वीं शताब्दी में "ब्यूरोक्रैसी" शब्द "ब्यूरो" से उत्पन्न हुआ जिसका अर्थ होता था "डेस्कों को ढकने वाले कपड़े"। फ्रेंच अधिकारी ऑफिस की डेस्को को कपड़ों से ढकते थे। धीरे-2 ब्यूरोक्रैसी शब्द का प्रयोग डेस्क-सरकार के लिये किया जाने लगा। इस शब्द को घृणा की दृष्टि से देखा जाता था। इसलिये बाद में चलकर इंग्लैंड में रैम्जेम्यूर, लार्ड हेवार्ट, सी० के० ऐलन, हेराल्ड जे० लास्की तथा बर्टन रसेल ने नौकरशाही को प्रजातंत्र का दुश्मन बताया तथा इसे निरंकुशता तथा संकुचित दृष्टिकोण तथा अधिकारियों की स्वेच्छाचारिता, नियमो का कठोर पालन, अनुत्तरदायित्व एवम् निहित स्वार्थों का जाल बताया।

द्वितीय महायुद्ध के बाद इसे परकिन्सन कानून की प्रतिमूर्ति मान लिया गया, जिसका संकेत नौकरशाही द्वारा सत्ता साम्राज्य निर्माण, साधनो का अपव्यय, उदासीनता, आत्म प्रसार आदि दुष्प्रभावपूर्ण प्रवृतियो से था।

परन्तु मैक्स बेबर ने नौकरशाही को किसी भी देश के लिये उतना ही आवश्यक बताया है - जितना राष्ट्र निर्माण की खातिर देश के हिफाजत के लिये सेना की आवश्यकता है।

मैक्स बेबर का विश्लेषणात्मक विषय परिधि व्यापक है इसलिये वह समाज, विशेषतः पश्चिमी समाज (मूलतः एशिया का राजतंत्र) के प्रमुख तत्वों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। उसके अनुसार समाज के संगठन के मूल में शक्ति प्रमुख है। मूल्य सहभागिता के कारण ये सत्ता नेतृत्व और औचित्यपूर्ण बन जाते हैं।

बेबर ने इस बात पर बल दिया कि किसी संगठन (राज्य) के उद्देश्यो या लक्ष्यों की उचित प्राप्ति के लिये नौकरशाही अनिवार्य है किन्तु बेबर ने किसी आनुभविक नौकरशाही का विश्लेषण न करके उसका केवल एक आदर्श प्रकार के रूप में अध्ययन किया है। कानूनी सत्ता का विशुद्ध प्रकार नौकरशाही के प्रशासनिक कर्मचारी वर्ग को नियुक्त करता है। उस संगठन का सर्वोच्च अध्यक्ष निर्वाचन के आधार पर नियुक्त होता है किन्तु उसकी सत्ता का आधार कानूनी सक्षमता होता है। बेबर के अनुसार नौकरशाही की निम्न विशेषतायें हैं —

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(2)

1. वे व्यक्तिगत रूप से स्वतंत्र होते हैं और अपने निर्वैयक्तिक सरकारी दायित्वों की दृष्टि से ही सत्ता के अधीन होते हैं।
2. उनको एक सुस्पष्ट परिभाषित पदों के सोपान में संगठित कर दिया जाता है।
3. प्रत्येक कार्यालय का कानूनी दृष्टि से सुस्पष्ट परिभाषित सक्षमता क्षेत्र होता है।
4. पदों को स्वतंत्र करार संबंधों से भरा जाता है, इस तरह सिद्धांततः स्वतंत्र चयन होता है।
5. उम्मीदवारों का तकनीकी योग्यताओं के आधार पर चयन किया जाता है सभी बौद्धिक मामलों में यह कार्य परीक्षा लेकर अथवा तकनीकी प्रशिक्षण को प्रमाणित करने वाले डिप्लोमा के द्वारा अथवा दोनों द्वारा किया जाता
6. अधिकांशतः पेंशन अधिकार सहित उन्हें नकद धन राशि में नियत वेतन दिया जाता है। पदाधिकारी पद त्याग करने के लिये सदैव स्वतंत्र होता है कुछ विशेष परिस्थितियों में उनकी सेवायें समाप्त भी की जा सकती हैं।
7. पद ही पूरी तरह से या मूल रूप से पदाधिकारी का व्यवसाय होता है।
8. पदाधिकारी आजीवन सेवा में होता है। उसमें ज्येष्ठता या उपलब्धि या दोनों के अनुसार पद वृद्धि की व्यवस्था होती है। पद वृद्धि वरिष्ठों के निर्णय पर निर्भर होती है।
9. कर्मचारी प्रशासन के साधन पर स्वामित्व से पूर्णतः पृथक रहता है और अपने पद का ~~नीचे~~ निजी कार्यों के लिये उपयोग नहीं करता तथा
10. उसका पद से संबंधित आचरण कठोर एवं व्यवस्थित अनुशासन तथा नियंत्रण के अधीन रहता है।

इस प्रकार आधुनिक संगठनों में मैक्स वेबर का नौकरशाही सिद्धांत संगठन के कार्यों को लक्ष्य प्राप्ति के लिये श्रम विभाजन को तथा पद वर्गीकरण को प्रोत्साहन देता है। इसके कारण उच्च मात्रा में विशेषीकरण सम्भव हो पाता है। पदों को पदसोपान में बद्ध करना आसान हो जाता है तथा सत्ता संरचना के रूप में संगठन शृंखलाबद्ध होकर एक "पिरामिड" का रूप ले लेता है।

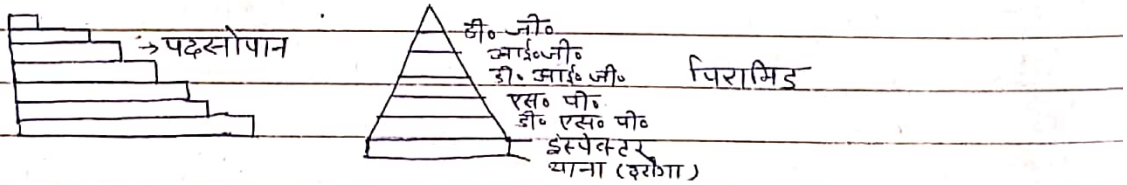

निम्न रेखाचित्र से यह स्पष्ट है कि प्रत्येक वरिष्ठ पदाधिकारी अपने वरिष्ठ के निर्णयों एवं कार्यों के लिये उत्तरदायी होता है। औपचारिक रूप से बनाये गये कार्यों को ~~लिये~~ अधिशासित किया जाता है। इससे उनमें तथा सत्ता संरचना में एकरूपता आ जाती है जिससे प्रशासन की विभिन्न गतिविधियों में समन्वय स्थापित हो जाता है। इन नियमों से कार्मिक वर्ग के सदस्यों से परिवर्तित होते रहने पर भी उनके संचालन में निरंतरता

Scanned with CamScanner

एवं स्थायित्व बना रहता है। एक विशेष प्रशासनिक वर्ग संगठन में संचार मार्गों को प्रभावी बनाये रखता है। यह संगठन की पत्रावलियों तथा लिखित अभिलेखों को, जिसमें सरकारी निर्णय एवं कार्यों का उल्लेख रहता है, के के लिये उत्तरदायी होता है।

वेबर के शब्दों में - ये सभी विशेषतायें मिलकर संगठन को उच्चतम मात्रा में कुशलता प्राप्त करने में सक्षम बना देती हैं। सिद्धांततः यह आदर्श प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में सभी प्रकार के संगठन के लिये लागू होता है -चाहे वह निजी हो या सरकारी। नौकरशाही सत्ता अपने विशुद्ध रूप में वहाँ लागू होती है जहाँ प्रशासन में अधिकाधिक बौद्धिकता को आधार बनाया गया हो। नौकरशाही की बुराई कितनी ही क्यों न की जाय, सरकारी कार्यालयों में बैठे कर्मचारियों के बिना प्रशासकीय कार्यों को निरंतर एवं प्रभावशाली ढंग से नहीं कराया जा सकता। नौकरशाही प्रशासन का मूलभूत आधार ही ज्ञान पर आश्रित नियंत्रण का प्रयोग है। यही विशेषता उसे बौद्धिक बना देती है। इसी बौद्धिकता के कारण उसे असाधारण शक्ति प्राप्त हो जाती है।

वेबर के शब्दों में :- "शासन व्यवस्था (संगठन) चाहे पूंजीवादी हो या समाजवादी, यदि तकनीकी कुशलता पर आधारित वृहद प्रशासनिक कार्य करने हो तो विशेषीकृत नौकरशाही के बिना कोई चारा नहीं है।"

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि संगठन का नौकरशाही संबंधी सिद्धांत का आधार है - मैक्स वेबर का ब्यूरोक्रेसी का सिद्धांत।

—×—

[Dr. S B Kumar, Dept. of Pol. Science]

Scanned with CamScanner